मत्स्य मूल्य जोड में उद्यमकर्ता विकास

वी. गीतालक्षमी, एस. आशालता, डानियल राज और एम. नासर

प्राक्कथन

आकर्षक नमकीनों की आदत पडे नौजवानों में तुरंत आहार की मांग बढी है और वे स्वास्थ्य के महत्व को नजरअंदाज करते हैं। लोगों में मोटापा और जीवन यापन से संबंधित स्वास्थ्य की समस्याएं आम बात बन रही हैं और युवावस्था से ही अच्छे खाने पीने की आदत डालनी चाहिए ताकि शारीरिक परेशानियाँ दूर हों।

मत्स्य की खूबियों के बारे में विशेष बल देने की जरूरत नहीं है। मत्स्य में भरपूर मात्रा में मौजूद ओमेगा 3 फैटी अम्ल आंख व स्नायु तंत्र के लिए फायदेमंद हैं और यह जोडों के दर्द को भी कम करता है। तुरंत आहार नमकीन के बदले में मत्स्य आधारित नमकीन से नमकीन का मजा भी मिलेगा और यह प्रोटीन का स्रोत भी बनेगा।

जिम्मेदार पैदावार और चूने हुए छोटे वेलापवर्ती और स्वच्छ पानी मत्स्य पर आधारित एन ए आई पी परियोजना के तहद चूलियार अनूसूचित जाति व जनजाती के मछुवारिनों के दो संभावित गुटों को मूल्य जोड एवं व्यापार को मददेनजर मत्स्य के विपणन पर प्रशिक्षण दिया गया। यह पर्चा चूलियार मछुवारिन सहकारिता द्वारा सफलतापूर्वक किए गए काम और सामने की गई परेशानियों पर चर्चा करती है।

उद्यमकर्ता विकास एवं महिला

रोजगार पाने और गरीबा लोगों के जीवन शैली को बदलने के लिए छोटे स्तर पर उद्यमकर्ता एक मात्र हल है। ग्रामीण इलाकों में इन चुनौतियों से निपटने के लिए सूक्ष्म उद्यमकर्ता सहायक होगी। सूक्ष्म उद्यमकर्ता न केवल राष्ट्रीय उत्पादन बढाता है उद्योग प्रदान करता है बल्कि गांव के महिलाओं में आर्थिक आजादी, व्यक्तिगत एवं सामाजिक क्षमता प्रदान करता है। उनका आत्मविश्वास बढता है और उनका जीवन स्तर बढाया जा सकता है। उनका नेतृत्व गुण और निर्णय लेने की क्षमता से गरीब महिलाओं में समाजिक समानता बन सकती है।

के मा प्रौ सं, कोचि 29

उत्पन्नों के साथ ठेकेदार

गांव की महिलाओं में देशी ज्ञान, क्षमता रखनेवाले तथा उद्यम को स्थापित एवं प्रबंध करने की क्षमता रखती हैं। लेकिन उनको ऋण की जानकारी, प्रायोजक, प्रमाणीकरण तरीका, सरकारी कल्याण कार्यक्रम पर जानकारी, अभिप्रेरण, परिवार सरकार और अन्य संगठन द्वारा तकनीकी क्षमता और सहयोग पर कम जानकारी ही प्राप्त हैं। यही नहीं गांव के महिला उद्यमकर्मियों का तंत्र एक बड़ी चुनौती है क्योंकि उन्हें सामाजिक अवरोधों को अभिभूत करने की जरूरत है और पुरुष प्रधान व्यापार में उतरना एक चुनौती हैं।

मत्स्य आधारित छोटे स्तर के लोक उद्यम

मत्स्य, उच्च गुण प्रोटीन का भरापूरा आधार है, यह आमदनी का महत्वपूर्ण आधार है और यह गांव के आबादी खासकर महिलाओं को रोजगार का अवसर प्रदान करती है। अन्य क्षेत्र जैसे कृषि में महिला उद्यमकर्ताओं का प्रवेश राष्ट्रीय आर्थिकता में उनका सहयोग दिखाता है। महिलाओं को लाधुनिक प्रौद्योगिकियों का लाभ उठानी चाहिए और निर्यात बाजार में अपनी पहचान बनानी चाहिए ताकि संगठित क्षेत्र में बड़ा रोजगार उत्पन्न कर सकें। लेकिन मास्यिकी क्षेत्र में मत्स्य उत्पादों के खराब होने की प्रकृति के कारण अच्छी तकनीकी मदद के बिना मत्स्य उत्पादों का विपणन सफल नहीं होगा। यही नहीं उपभोक्ता के स्वाद को बदलनी चाहिए जो कि पारंपरिक मांस या शाकाहार पर आधारित नमकीन से आदत पड गई है। नए उत्पादों की जरूरत है जो कि युवक और बच्चों को एक साथ आकर्षित करें।

उत्पादन, संसाधन और वितरण में जो प्रौद्योगिकीय बदलाव आए वह आज आहार बाजार

को चलाता है। बदलते जीवन स्तर, बढता आय और आहार और स्वास्थ्य पर बढती जागरूकता से उपभोक्ताओं के आहार के मांग में एक नयी प्रवृत्ति दिखाइ दे रही है। अतः आहार उत्पादों में एक कडी गुण्ता नियंत्रण, मूल्य जोड और उपभोकता निवेदन महत्वपूर्ण बनता है। इसी स्थिति में कें मा प्रौ सं जो कि गुणता नियंत्रण पर अधिकार रखती है, महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

चुल्लियार बांध मात्स्यिकी

चुल्लियार बांध गायत्रीपुष्ा नदी के उपनदी के पार स्थित है जो कि केरल के पालक्काट जिले में पश्चिमी घाट के पृष्ठभूमि में है। यह 159 हेक्टरों में फैला है जो कि उच्च उत्पादक है जिसका औसत वार्षिक उत्पादन 45 टन हैं। मछुवारे जो चुल्लियार अनूसूचित जाति/जनजाति हौज मात्स्यिकी सहकारिता समिति के तहद आते हैं, वे पूरे साल में मत्स्यन में लगे हुए हैं। पूरे मत्स्य उत्पादन को बीना मूल्य जोड के कम दाम में बेचा गया। हौज मात्स्यिकी में किए गए उत्कृष्ठ अध्ययन ने यह दर्शाया कि मूल्य जोड द्वारा आमदनी को बढाया जा सकता है।

मछुवारिनों की क्षमता बढाना

चुल्लियार अनूसूचित जाति/जनजाति हौज मात्स्यिकी सहकारिता समिति के मछुवारिनों को दो गुट ण्न्मा और स्नेहम में विभाजित कर प्रशिक्षण श्रृंखला द्वारा उत्पादन विकास के बारे में सिखाया गया। परियोजना दल द्वारा भिन्न कार्यशालाओं से अच्छा निर्माण अभ्यास प्रदर्शित किया गया। उन्हें आधुनिक संवेष्ठन पद्धतियों के बारे में भी सिखाया गया ताकि अंतिम उत्पाद उपभोक्ता को आकर्षित दिखें।

प्रशिक्षण सत्र चल रहा है।

महिला गुटों को सही आंकडा बनाए रखने और प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिया ताकि संसाधन केंद्र में विकसित उत्पादों को सफलतापूर्वक विपणन किया जा सके। पालक्काड शहर में एक फुटकर बाजार को खोला ताकि सहकारिता द्वारा संसाधित उच्च मात्स्यिकी उत्पादों का विपणन करें।

विपणन

उत्पादन को शुरू करने के पहले या खास बाजार को चुनने हेतू कुछ सामान्य नियमों पर विचार किया जाना चाहिए और एक विपणन तरीके को विकसित किया गया। ज्यादातर मत्स्य उत्पादक उत्पाद पर ज्यादा ध्यान देते हैं न कि बाजार पर जो उत्पादक अच्छा विपणन तरीका विकसित करता है और उत्पादन सा ही विपणन को महत्व देता है, उनका दूसरों की अपेक्षा ज्यादा सुविधा होता है जो इस पर महत्व नहीं देते।

विपणन तरीके को विकसित करने के लिए तीन घटक शामिल होते हैं (1) मौजूदा स्थिति को निर्धारित करना (2) अंतिम विपणन लक्ष्य को निर्धारित करना (3) मौजदूर स्थिति में अंतिम लक्ष्य तक पहुंचने के लिए तर्कसंगत योजना विकसित करना। खास बाजार की समझ और निर्धारण की जरूरत है, साथ में आपूर्ति और मांग का महत्व, बाजार का मौजूदा स्थिति का ध्यान रखना है इसे पाने के लिए, पालघाट के जिला के उपभोक्ता रूपरेखा का अध्ययन किया गया ताकि उपभोक्ता के पसंद के नमकीन के बारे में पता लगाया जा सके। यह देखा गया कि उपभोक्ता, मत्स्य से स्वास्थ्यपरक और सुरक्षित नमकीन के लिए ज्यादा दाम दने के लिए भी तैयार थे।

दूसरा घटक "जो अंतिम बाजार लक्ष्य" निर्धारण से संबंधित है इसका मतलब यह कि

फिशमेइड उत्पन्नों का प्रदर्शनी

पालक्काड जिले में फिश मेजिक का खुदश बाज़ार

उद्यमकर्ता को यह जानना चाहिए कि भिन्न स्तर के प्रचालन के लिए कितना खर्चा होगा और निम्न दामों में लक्ष्य को पाए। प्रचालनात्मक दाम से लक्ष्य का स्तर उद्यमकर्ता को खतरा उठाने और व्यक्तिगत और विपणन लक्ष्य पर आधारित होता है। इसके लिए संस्थान का वाणिज्य और मत्स्य आधारित नमकीनों के लिए उत्पादन के लिए छोटे स्तर की एकक के प्रचालन पर योजना बनाई गई। उपकरणों को खरीदने के लिए और उत्पादन के लिए जरूरी चीजों को खरीदने के लिए 1,30,000 रुपए की लागत होगी। जबकि प्रति महीने का प्रचालनात्मक दाम जब एकक पूरी तरह काम करें तो 28,000 रुपए लगता है। यह भी तरीका बनाया गया जहां एकक को बिजिनस तरीके में चलाने के लिए महिला गुटों को इस प्रकार उत्पादन और विपणन करना होगा ताकि उन्हें प्रचालनात्मक और निवेश दाम से परे आय हो जो प्रतिदिन 1250 बनता है।

होनेवाले बिक्री के निर्धारण के अनुसार विपणन लक्ष्य निर्धारित किया जाता है और इसके लिए उपयुक्त विपणन योजना तैयार किया गया। फुटकर बाजार जो कि सहकारिता द्वारा किराए पर था वहां से उत्पादों को बेचा गया। प्रायोजन और प्रदर्शिनी द्वारा उत्पादों को लोकप्रिय किया गया। एक ब्रेंड नेम के तहद उत्पादों का उपभोक्ता स्वीकार्यता मिला, चूंकि के मा प्रौ सं द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया गया। कुछ मूल्य जोड उत्पाद के लिए स्वच्छ पानी मत्स्य आर्थिक रूप से फायदेंमद नहीं था उन मत्स्यों की निम्न उपज के कारण हैं। इसलिए इन उत्पादों के उत्पादन के लिए उपयुक्त समुद्री मत्स्यों को प्रतिस्थापित किया गया जिससे एकक के प्रचालन का दाम संकलित हों।

एकक में रोहू और कटला से तैयार किए गए मूल्य जोड और खाने में आसान मत्स्य उत्पाद आज के स्वास्थ्य सजग उपभोक्ता के गुणता स्तर के अनुसार हैं। चुल्लियार हौज से हर दिन के पकड से स्वास्थ्यपरक नमकीन तैयार किया गया है इसलिए स्वच्छता सुनिश्चित है। गुटों के सदस्यों को उत्पाद विकास और उनके गुण्ता स्तर को बनाए रखने के लिए प्रशिक्षत किया गया। मत्स्य कटलेट, मत्स्य बरगेर, मत्स्य समोसा, रोल, कंदमूल मत्स्य कडी और भूना हुआ मत्स्य कुछ मत्स्य पदार्थ हैं जो "फिशा मेजिक" से बेचा जा रहा है जो आधुनिक मत्स्य फुटकर बाजार है जो पालघाट के एस बी जंक्शन में स्थित हैं। "फिश मेड" के नाम से मात्स्सिकी विभाग के SAF परियोजना के तहद, इस एकक को स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता मिली। शुरूआत में चुल्लियार में एकक के स्थापना के बाद मछुवारिनों को कई समस्याओं का सामना करना पडा। उत्पादों के लिए बाजार का रूप और मांग को समझने में छह महीने से अधिक समय लगा। अब ये मछुवारिन अधिकृत और जीवकोपार्जन के लिए खुश हैं। कच्चे मत्स्य की तुलना से उन्हे मूल्य जोड से 35 से 40% उच्च आमदनी मिलती हैं। मछुवारित अभी आत्मविशवास के साथ हैं और एक बार व्यापार बढने से लोगों को काम दिलाने की अवस्था में हैं।

उपसंहार

बढती आय, गरीबी, बदलते रहन सहन और भारत के मध्य और उच्च वर्ग उपभोक्ता आहार बाजार को आनेवाले दिनों में बदलेगा। प्रशिक्षित मछुवारिनों द्वारा मूल्य जोड उत्पादों के उत्पादन और विपणन के लिए एकक स्थापित किया गया। उपभोक्ता द्वारा पसंद किया गया कुछ मात्स्यिकी उत्पाद को एकक में संसाधित किया गया जिसे महिलाओं द्वारा सफलतापूर्वक विपणन किया जा सका। मछुवारिनों का शर्मीलापन दूर हुआ और आत्मविश्वास के साथ खुद का व्यापार कर सकती हैं। एकक को बेहतर बनाने के लिए उपयुक्त कदम उठाए जा रहे हैं ताकि उत्पादों को अमीर उपभोक्ताओं के लिए सुपर मार्केट में उपलब्ध कराया जाए।

○○